NEWSLETTER

शनिवार, 12 अगस्त 2023 | वॉल्यूम - 58

Interview | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

भारत ने कपास गुणवत्ता नियंत्रण आदेश 3 महीने के लिए टाला

GOLD : 58906
SILVER : 69967
CRUDE OIL : 6937

BIS कानून के प्रति देश के विभिन्न राज्य के जिनर्स की बेबाक प्रतिक्रियाऐ।

पंजाब

पंजाब में भटिंडा क्षेत्र के जिनर कैलाश बंसल जी बातचीत के दौरान बताया की वह सालो सी जिनिग फैक्ट्री का संचालन कर रहे है। BIS का कानून के लिए बताया की सबसे बड़ी समस्या लेब, टेस्टिंग की है अगर छोटे छोटे गांव में जिनिंग फैक्ट्री है तो 500 किलोमीटर दूर जाकर लेब में हर गठान का टेस्टिंग करवाना मुश्किल वाला काम है, इसको हम कैसे करे ? दूसरा क़्वालिटी को बदलाव करना हमारे हाथ में नहीं है, WE ARE NOT MANUFACTURE, WE ARE PROCESSOR. हमारे पास ऐसी कोई मशीनरी नहीं है जो हम कपास की क़्वालिटी के मापदंड में परिवर्तन कर सके।

हरियाणा

हरियाणा में सिरसा क्षेत्र के जिनर पवन शारदा जी ने बताया की वह 1984 से जिनिंग का व्यवसाय करते है।भारत सरकार ने BIS का कानून में निश्चित मात्रा में मॉइस्चर, ट्रैश देना पड़ेगा जो नरमा में आने वाला कपास के लिए एक बड़ी समस्या है क्योकि नरमा जो कपास आता है, हर तरह से प्रभावित होकर आता है जिसमे मौसम, जमीन की गुणवत्ता और बिनाई किस तरह से की है उसका भी प्रभाव कपास क़्वालिटी पर पड़ता है। भारत में किसान ज्यादा तर हातो (मेनुअली) से बिनाई करता है उसका भी कपास की क़्वालिटी पर फर्क पड़ता है। सितम्बर माह से नरमा में कपास आना शुरू हो जायेगा पर BIS के कानून आने से अभी तक जिनिंग फैक्ट्री को चालू करने के लिए कोई तैयारी नहीं की है।

राजस्थान

राजस्थान में भीलवाड़ा क्षेत्र में जिनर भंवरलाल चोरडिया जी ने बताया की वह 15 सालो से जिनिंग फैक्ट्री चला रहे है। कपास एक मौसम और जमीन की गुणवत्ता के अनुरूप कपास की क़्वालिटी में परिवर्तन होता रहता है। यह तो प्रकृति की देन है इसके मापदंड हम कैसे तय कर सकते है, यह जिनर के हाथ नहीं है। दुसरा प्रश्न है लैब का और टेस्टिंग का है छोटे-छोटे गांवो में लेब की व्यवस्था न होने के कारण टेस्टिंग करना मुश्किल है। जिनर तो सिर्फ उसको किसान से कपास ले कर बीज और कचरा अलग करके कपास प्रोसेस करके मिल को बेचता है.

मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश राज्य में पांढुरना श्रेत्र के जिनर नितिन पालीवाल जी ने बताया की उनकी जिनिंग फैक्ट्री 10 दशक पुरानी है. विरासत में मिले इस काम को सालो से करते रहे है। BIS नियम के अनुसार जिनिंग में आधारभूत संरचना नहीं है, की इस नियम का पालन हो सके। अगर जिनर ने गठानो की टेस्टिंग कर के माल बना भी लेता है , तो वो टेस्टिंग सर्टिफिकेट स्पिनिंग मिल में मान्य नहीं होता है. मिल में माल जाने के बाद उनकी दूसरी बार टेस्टिंग होती है, तो इतनी टेस्टिंग करवा के फायदा क्या है जिससे सर्टिफिकेट और डिलीवरी समय समस्या आ सकती है।

गुजरात

गुजरात में कपडवंज क्षेत्र के जिनर महेश भाई पटेल से बात की, वह 28 सालो से जिनिंग का संचालन कर रहे है। उन्होंने बताया की कपास किसान खेत में से लाता है उसी में ही नमी ज्यादा होगी तो, हम कैसे उसको कम कर सकते है। कॉटन कपडे का खिलोना नहीं है जो हम उसको जैसे बोलेंगे वैसे उसको बना दे। सबसे महत्त्व की बात कपास में आने वाली नमी है, जो विभिन्न मौसम स्थितियों के अनुसार अलग अलग होता है।

महाराष्ट्र

महाराष्ट्र में सेलू क्षेत्र के जिनर अविनाश जी से बात की, वह सालो से जिनिग व्यवसाय के साथ जुड़े है। इन्होने बताया की BIS नियम (कानून) पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है, इसमें दो तरह की भ्रम चल रहे है, पहला सरकार नियम ऐसा है निश्चित मापदंड वाली गठाने बनाई जाये जो नामुनकिन है, और दूसरा जो भी मापदंड वाली गठाने बनाई गई है उसको घोषित करके गठाने बेचैनी पड़ेगी, अगर घोषित करके माल देना है तो कोई दिक्कत नहीं है। पर पहला भ्रम के हिसाब से अगर निश्चित प्रकार मापदंड की माल बनाना संभव नहीं है। इसमें उनका कहना है सरकार यह खुलासा अभी तक नहीं किया की वो क्या चाहती है। पहले यह खुलासा हो उसके बाद सारे मुद्दों का निदान सोच पाएंगे।

कर्नाटक

कर्नाटका में चित्रदुर्गा क्षेत्र में जिनर प्रवीण कुमार जी से बात की वह 40 साल से इसी व्यवसाय में है। उन्होंने बताय की, सरकार जो नियम (कानून) लाये है पर उस तरह की व्यवस्था नहीं दी है। हर गठान का टेस्टिंग करवानी है तो हर क्षेत्र में लेब भी होनी चाहिए। टेस्टिंग तो करवा लेंगे पर लेब तो हो? इसलिए कानून बनाने से पहले उस कानून का पालन हो उसकी व्यवस्था पर भी उतना ही ध्यान देना चाहिए।

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77771

कॉटन मार्केट की साप्ताहिक हलचल पर एक नजर

SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77771 - 5 WEEKLY CHART 12.08.2023			
ICE COTTON			
MONTH	4.08.23	11.08.23	WEEKLY CHANGE
DEC	84.29	87.89	3.6
MARCH	84.40	87.67	3.27
MAY	84.50	87.54	3.04
MCX (COTTON)			
AUG	59600	60500	900
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1578	1570	-8
NCDEX (COCUD KHAL)			
AUG	2520	2627	107
SEP	2561	2660	99
DEC	2624	2550	-74
SMART INFO SERVICE		CALL : 91119 77775	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	82.84	82.85	0.01
PAK (Pakistani Rupee)	285.29	285.825	0.535
CNY (Chinese yuan)	7.17289	7.18935	0.01646
BRAZIL (Real)	4.87328	4.90088	0.0276
AUSTRALIAN Dollar	1.51866	1.52091	0.00225
MALAYSIAN RINGGITS	4.55468	4.559	0.00432
COTLOOK "A" INDEX	95.60	96.70	1.1
BRAZIL COTTON INDEX	81.22	82.29	1.07
USDA SPOT RATE	79.98	84.00	4.02
MCX SPOT RATE	58980	60420	1440
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17700	17800	100
GOLD ($)	1978.2	1945.85	-32.35
SILVER ($)	23.725	22.745	-0.98
CRUDE ($)	82.64	83.04	0.4

अगस्त माह के दूसरे सप्ताह में कॉटन के इंटरनेशल मार्केट में तेजी नजर आयी। इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज के दिसंबर 23, मार्च 24 और मई 24 माह के लिए कॉटन के भाव क्रमशः 3.60 , 3.27 और 3.04 सेंट तक बढ़े।

भारतीय बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर कॉटन के दाम में बढ़ोतरी देखी गई। अगस्त माह के सौदा भाव में 900 रूपए प्रति कैंडी बढ़ कर 60,500 रुपए पहुंचे।

एनसीडीइएक्स पर कपास के भाव इस बार 9 रूपए प्रति 20 किलो तक की गिरावट देखी गई वही खल के भाव में अगस्त, और सितम्बर माह के लिए क्रमशः 107 और 99 रूपए प्रति क्विंटल की बढ़त हुई। वही दिसंबर में 74 रुपए की गिरावट देखि गई।

अन्य देशों के एक्सचेंज मार्केट पर नजर करें तो कॉटलुक "ए" इंडेक्स पर 1.10 अंक की बढ़त आयी, ब्राजील कॉटन इंडेक्स पर 1.07 की बढ़त वही एमसीएक्स स्पॉट रेट पर 1440 अंक की बढ़त दर्ज की गई है। इसके साथ यूएसडीए स्पॉट रेट पर 4.02 की बढ़त देखने को मिली है। पाकिस्तान के केसीए स्पॉट रेट पर सप्ताहअंत तक 100 रुपए तक भाव बढ़े।

जानिए टेक्सटाइल निवेशकों के लिए केसा रहा यह सप्ताह

07 अगस्त से 11 अगस्त के मध्य प्रमुख टेक्सटाइल शेयर की वेल्यू पर आधारित स्पेशल रिपोर्ट पर एक नजर।

कंपनी	करंट प्राइस	हाई प्राइस	लोएस्ट प्राइस	हलचल
वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड	345.95	350.95	334.7	-0.25%
अरविद लिमिटेड	143.35	144.6	134.45	5.75%
वेलसपन इंडिया	117.9	120.85	113.55	1.16%
नितिन स्पिनर्स	245.45	251.95	225	9.06%
रेमण्ड	1976	2021.95	1896	3.4%
अक्षिता कॉटन	26.26	27.05	25.9	1%

भारत ने कपास गुणवत्ता नियंत्रण आदेश 3 महीने के लिए टाला

भारत सरकार ने कॉटन बेल्स (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश, 2023 को लागू करने के अपने फैसले को तीन महीने के लिए स्थगित कर दिया है।

मंगलवार देर रात कपड़ा मंत्रालय द्वारा जारी एक गजट आदेश में कहा गया है कि यह आदेश 28 अगस्त के बजाय 27 नवंबर से लागू किया जाएगा।

सप्ताहांत में कपड़ा मंत्रालय के अधिकारियों के साथ एक बैठक के दौरान कपड़ा संगठनों और व्यापार संघों के अनुरोध के बाद कार्यान्वयन को स्थगित करने का निर्णय लिया गया।

कॉटन क्यूसीओ (गुणवत्ता नियंत्रण आदेश) के रूप में जाना जाने वाला यह आदेश 28 फरवरी को केंद्रीय कपड़ा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित किया गया था और राजपत्र में इसके प्रकाशन के 180 दिन बाद लागू होना था। यह प्रसंस्कृत कपास (गिना हुआ) और असंसाधित या कच्चा कपास (कपास) पर लागू होता है।

क्यूसीओ कपास की गांठों के लिए 8 प्रतिशत नमी की मात्रा निर्दिष्ट करता है, जिनिंग मिलों को कम से कम 5 प्रतिशत गांठों का परीक्षण करने का आदेश देता है, और गांठों में कचरा सामग्री को 3 प्रतिशत से नीचे प्रतिबंधित करता है।

QCO आयातित कपास पर भी लागू होगा। तमिलनाडु स्पिनिंग मिल्स एसोसिएशन (TASMA) ने केंद्र से सभी हितधारकों के बीच आम सहमति बनने तक आदेश को स्थगित करने का आग्रह किया था।

कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएआई) ने वाणिज्य और कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल से क्यूसीओ को "न्यूनतम एक या दो साल" के लिए स्थगित करने का आग्रह किया।

सीएआई के अध्यक्ष अतुल गनात्रा ने कहा कि जिनर्स को कपास की गांठों में 8 प्रतिशत नमी सुनिश्चित करना मुश्किल होगा क्योंकि अक्टूबर-दिसंबर के दौरान लिंट (प्रसंस्कृत कपास) में यह 10-12 प्रतिशत और कपास (कच्चा कपास) में 15-25 प्रतिशत होगी।.

उन्होंने कपास की गांठों का परीक्षण करने के लिए पर्याप्त बुनियादी ढांचे की कमी की ओर इशारा किया, और कपास में कचरा सामग्री की सीमा को पूरा करने में कठिनाई भी व्यक्त की।

कर्नाटक कॉटन एसोसिएशन (केसीए) ने क्यूसीओ के आसपास "सभी भ्रम" को दूर करने और स्पष्ट करने के लिए कपड़ा मंत्रालय और जिनर्स के बीच एक बैठक की मांग की।

यह चाहता था कि QCO को उचित परीक्षण बुनियादी ढाँचा उपलब्ध होने तक स्थगित किया जाए, क्योंकि कुछ प्रयोगशालाएँ राष्ट्रीय परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (NABL) द्वारा मान्यता प्राप्त हैं।

इसने कृषि उपज विपणन समिति (एपीएमसी) यार्ड में गुणवत्ता मानकों को लागू करने का आह्वान किया, जो कपास के लिए खरीद केंद्र हैं।

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

"गुजरात में कपास की बुआई 9 वर्षों में सबसे अधिक, 26 लाख हेक्टेयर से अधिक हो गई है !"

गुजरात में कपास की बुआई ने पिछले आठ वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है और किसानों ने इस खरीफ सीजन में अब तक 26.64 लाख हेक्टेयर (एलएच) में फाइबर फसल बोई है। यह ऐसे समय में आया है जब अन्य प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में गिरावट का रुख देखा जा रहा है।

पंजाब : कीट प्रकोप के कारण कपास की उपज में बड़ी कमी हो सकती हे

भठिंडा: 2022-23 के लिए कपास विपणन सीजन के साथ लगभग समाप्त होने पर, कपास (कच्चा कपास) का आगमन होता है। पंजाब में लगभग एक तिहाई दर्ज किया गया है। पिछला वर्ष, 2021-22. दोनों पंजाब राज्य कृषि मार्केटिंग बोर्ड (PSAMB), जो के आगमन को रिकॉर्ड है।

गुजरात के कपड़ा उद्योग में कम मांग, छँटनी देखी जा रही है

गुजरात में कपड़ा व्यवसाय यूरोप और अमेरिका में मंदी के प्रभाव के रूप में उच्च लागत और कम मांग का सामना कर रहे हैं। इसके कारण राज्य में कई व्यवसायों को कर्मचारियों की छंटनी करनी पड़ी या उन्हें अवैतनिक अवकाश पर भेज दिया गया।

जुलाई के आखिरी हफ्ते में मॉनसून सरप्लस 7% तक पहुंच गया।

केरल में मानसून की शुरुआत में 8 दिन की देरी हुई। इसके तुरंत बाद, चक्रवात बिपरजॉय ने दक्षिण प्रायद्वीप और आगे पूर्वोत्तर भारत में मानसून की प्रगति रोक दी। जून 10% की बारिश की कमी के साथ समाप्त हुआ।

"ऑर्डर की कमी के चलते तिरुपुर में परिधान इकाइयों को बंद करना पड़ा!"

साउथ इंडिया होजरी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ए.सी. ईश्वरन ने केंद्र से बांग्लादेश से परिधान आयात की जांच करने और 1 अक्टूबर से नया कपास सीजन शुरू होने पर कपास निर्यात को प्रतिबंधित करने का आग्रह किया।

कॉटन फिजिकल मार्केट अगस्त माह के दूसरे सप्ताह में कॉटन के भाव में अधिक तेजी देखि गयी।

यह सप्ताह कॉटन फिजिकल मार्केट के लिए तेजी वाला रहा वाला रहा। नार्थ, सेंट्रल और साउथ तीनों ही झोन में कॉटन के भाव में तेजी देखी गई।

नार्थ झोन पंजाब और अपर राजस्थान में 50 रुपए प्रति मंड की तेजी देखी गई वही हरयाणा में सबसे ज्यादा 100 रुपए प्रति मंड की तेजी देखी गई।

वही सेंट्रल झोन के गुजरात राज्य में सबसे ज्यादा 1,300 रूपए प्रति कैंडी की बढ़त देखने को मिली। जबकि महाराष्ट्र में 1,000 रुपए तक की तेजी हुई, मध्य प्रदेश में सबसे कम 500 रूपये की तेज़ी देखी गई।

साउथ झोन में भी मार्केट में बढ़त जारी रही। सबसे ज्यादा आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में 1,000 रूपए प्रति कैंडी तक की बढ़त देखी जबकि कर्नाटक और ओडिशा में 500 और 700 रुपए बढ़ा।

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91119 77775

DATE: 12.08.2023

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	07.08.23		12.08.23		AVERAGE PRICE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	6,025	6,125	6,075	6,175	50
HARYANA	27.5/28	5,825	5,925	5,925	6,025	100
UPER RAJASTHAN	28	6,175	6,250	6,200	6,300	50
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	59,500	60,000	61,100	61,300	1,300
MADHYA PRADESH	29	59,500	60,000	60,000	60,500	500
MAHARASHTRA	29 vid.	58,500	59,500	60,000	60,500	1,000
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5	60,000	60,100	60,700	60,800	700
KARNATAKA	29.5/30 mm	59,500	60,000	60,000	60,500	500
ANDHRA PRADESH	29.5/30 mm	60,000	60,500	60,500	61,500	1,000
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	60,000	60,500	60,500	61,500	1,000

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy

NEWSLETTER

Saturday, 12 August 2023 | Volume - 58

Interview | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

India defers cotton quality control order for 3 months

GOLD : 58906
SILVER : 69967
CRUDE OIL : 6937

Fearless reactions of the ginners of different states of the country towards the BIS law.

Punjab

In Punjab, ginner Kailash Bansal of Bhatinda area told during conversation that he is running a ginning factory for years. BIS told for the law that the biggest problem is lab testing, if there is a ginning factory in a small village, then going 500 kilometers away to get the testing done in the lab is a difficult task, how can we do this? Secondly it is not in our hands to change the quality, WE ARE NOT MANUFACTURE, WE ARE PROCESSOR. We do not have any such machinery that we can change the quality parameters of cotton.

Haryana

Pawan Sharda, a ginner from Sirsa area in Haryana, told that he is doing ginning business since 1984. Government of India has given a certain amount of moisture, trash in the BIS law, which is a big problem for soft cotton coming in soft cotton. The cotton that comes, is affected in every way, in which the weather, the quality of the land and the way it is spun also have an effect on the cotton quality. In India, the farmer does most of the weaving by hand (manually), that too has a difference in the quality of cotton. Cotton will start arriving in Narma from the month of September, but due to the coming of BIS law, no preparations have been made to start the ginning factory.

Rajasthan

In Rajasthan's Bhilwara region, ginner Bhanwarlal Chordia told that he has been running a Ginning Factory for 15 years. Cotton The quality of cotton keeps on changing according to the season and the quality of the land.

This is the gift of nature, how can we decide its criteria, it is not in the hands of the Jinn. The second question is about lab and testing, because of lack of lab facilities in small villages, it is difficult to do testing. Ginner just takes cotton from the farmer, separates the seeds and waste, processes the cotton and sells it to the mill.

Madhya Pradesh

Ginner Nitin Paliwal of Pandhurna area in the state of Madhya Pradesh told that his ginning factory is 10 decades old. He has been doing this inherited work for years. According to BIS rule, Jining does not have the infrastructure to comply with this rule. Even if the ginner makes the goods after testing the knots, then that testing certificate is not valid in the spinning mill. After the goods are sent to the mill, they are tested for the second time, so what is the use of getting so much testing done that there may be problems with the certificate and delivery time.

Gujarat

Spoke to Mahesh Bhai Patel, a ginner from Kapadvanj area in Gujarat, he has been operating ginning for 28 years. He told that the moisture in the cotton that the farmer brings from the field will be high, so how can we reduce it. Cotton is not a cloth toy that can be made as we say. The most important thing is the moisture content of cotton, which varies according to different weather conditions.

Maharashtra

Spoke to Avinash ji, a ginner from Selu area in Maharashtra, he is associated with ginning business since years. He told that the BIS rule (law) is not completely clear, there are two types of confusion going on in it, the first government rule is such that knots should be made with certain criteria which is impossible, and second whatever knots have been made, There will be uneasiness to make declarations, if you want to give the goods by declaration then there is no problem. But according to the first fallacy if it is not possible to make goods of certain type criteria. In this, he says that the government has not yet disclosed what it wants. First this is disclosed, only then we will be able to think about the solution of all the issues.

Karnataka

Talked to ginner Praveen Kumar ji in Chitradurga area in Karnataka, he is in this business since 40 years. He told that the rules (laws) brought by the government have not given such a system. If every unit has to be tested, then there should be a lab in every area. Will get the testing done but at least have a lab? That's why before making a law, equal attention should be paid to the system of that law being followed.

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77771

A look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77771 - 5 WEEKLY CHART 12.08.2023			
ICE COTTON			
MONTH	4.08.23	11.08.23	WEEKLY CHANGE
DEC	84.29	87.89	3.6
MARCH	84.40	87.67	3.27
MAY	84.50	87.54	3.04
MCX (COTTON)			
AUG	59600	60500	900
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1578	1570	-8
NCDEX (COCUD KHAL)			
AUG	2520	2627	107
SEP	2561	2660	99
DEC	2624	2550	-74
SMART INFO SERVICE		CALL : 91119 77775	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	82.84	82.85	0.01
PAK (Pakistani Rupee)	285.29	285.825	0.535
CNY (Chinese yuan)	7.17289	7.18935	0.01646
BRAZIL (Real)	4.87328	4.90088	0.0276
AUSTRALIAN Dollar	1.51866	1.52091	0.00225
MALAYSIAN RINGGITS	4.55468	4.559	0.00432
COTLOOK "A" INDEX	95.60	96.70	1.1
BRAZIL COTTON INDEX	81.22	82.29	1.07
USDA SPOT RATE	79.98	84.00	4.02
MCX SPOT RATE	58980	60420	1440
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17700	17800	100
GOLD ($)	1978.2	1945.85	-32.35
SILVER ($)	23.725	22.745	-0.98
CRUDE ($)	82.64	83.04	0.4

In the second week of August, there was a boom in the international cotton market. Cotton prices for the months of December 23, March 24 and May 24 on the International Cotton Exchange rose by 3.60, 3.27 and 3.04 cents respectively.

An increase in the price of cotton was observed on the Multi Commodity Exchange (MCX) in the Indian market. In the month of August, the bargain price increased by Rs. 900 per candy and reached Rs. 60,500.

Cotton prices on NCDEX this time saw a decline of up to Rs.9 per 20 kg, while the prices of cottonseeds increased by Rs.107 and Rs.99 per quintal for the months of August and September respectively. The same saw a fall of Rs 74 in December.

Looking at the exchange market of other countries, the Cotlook "A" index gained 1.10 points, the Brazilian Cotton index gained 1.07 points, while the MCX spot rate gained 1440 points. With this, an increase of 4.02 has been seen on the USDA spot rate. Pakistan's KCA spot rate increased by Rs 100 by the end of the week

Know how this week was for textile investors

A look at the special report based on the value of major textile stocks between August 07 and August 11.

COMPANY	CURRENT PRICE	HIGH PRICE	LOW PRICE	MOVEMENT
VARDHMAN TEXTILE LIMITED	345.95	350.95	334.7	-0.25%
ARVIND LIMITED	143.35	144.6	134.45	5.75%
WELSPUN INDIA	117.9	120.85	113.55	1.16%
NITIN SPINNERS	245.45	251.95	225	9.06%
RAYMOND	1976	2021.95	1896	3.4%
AXITA COTTON	26.26	27.05	25.9	1%

India defers cotton quality control order for 3 months

The Government of India has postponed its decision to implement the Cotton Bales (Quality Control) Order, 2023 by three months.

A gazette order issued by the Ministry of Textiles late on Tuesday said the order would be implemented from November 27 instead of August 28.

The decision to postpone the implementation was taken following a request from textile organizations and trade unions during a meeting with textile ministry officials over the weekend.

The order, known as the Cotton QCO (Quality Control Order), was notified by the Union Ministry of Textiles on February 28 and was to come into force 180 days after its publication in the Gazette. This applies to processed cotton (counted) and unprocessed or raw cotton (cotton).

The QCO specifies 8 percent moisture content for cotton bales, orders ginning mills to test at least 5 percent of bales, and restricts garbage content in bales to below 3 percent.

The QCO will also apply to imported cotton. The Tamil Nadu Spinning Mills Association (TASMA) had urged the Center to postpone the order till a consensus is reached among all stakeholders.

The Cotton Association of India (CAI) urged Commerce and Textiles Minister Piyush Goyal to postpone the QCO for "minimum one or two years".

CAI president Atul Ganatra said ginners would find it difficult to ensure 8 per cent moisture in cotton bales as it would be 10-12 per cent in lint (processed cotton) and 15-25 per cent in cotton (raw cotton) during October-December .

He pointed to the lack of adequate infrastructure to test cotton bales, and also expressed the difficulty in meeting the limits on waste content in cotton.

The Karnataka Cotton Association (KCA) demanded a meeting between the Ministry of Textiles and ginners to clear and clarify "all confusion" around QCO.

It wanted the QCO to be postponed till proper testing infrastructure is available, as few laboratories are accredited by the National Accreditation Board for Testing and Calibration Laboratories (NABL).

It called for enforcement of quality standards in Agricultural Produce Marketing Committee (APMC) yards, which are procurement centers for cotton.

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

"Sowing of cotton in Gujarat is the highest in 9 years, more than 26 lakh hectares!"

Cotton sowing in Gujarat has broken the record of last eight years and farmers have sown the fiber crop in 26.64 lakh hectare (LH) so far this kharif season. This comes at a time when other major cotton growing states are showing a declining trend.

Punjab: There may be a major reduction in cotton yield due to pest attack.

Bhatinda: With the cotton marketing season for 2022-23 almost over, cotton (raw cotton) arrives. Nearly a third have been recorded in Punjab. Previous year, 2021-22. Both record the advent of the Punjab State Agricultural Marketing Board (PSAMB), which

Gujarat's textile industry sees low demand, layoffs.

Textile businesses in Gujarat are facing high costs and low demand as the effects of the recession in Europe and the US. This has caused many businesses in the state to lay off employees or put them on unpaid leave.

Monsoon surplus reached 7% in the last week of July.

Monsoon onset over Kerala was delayed by 8 days. Soon after, Cyclone Biperjoy stalled the progress of the monsoon over the south peninsula and further into northeast India. June ended with a rainfall deficit of 10%.

"Garment units in Tiruppur had to be closed due to lack of orders!"

President of the South India Hosiery Manufacturers Association, A.C. Easwaran urged the Center to check garment imports from Bangladesh and ban cotton exports when the new cotton season starts from October 1.

Cotton physical market saw a sharp rise in cotton prices in the second week of August.

This week turned out to be a bullish one for the cotton physical market. The rise in cotton prices was seen in all the three zones North, Central and South.

North Zone Punjab and Upper Rajasthan saw a rise of Rs 50 per mand, while Haryana saw the maximum increase of Rs 100 per mand.

The state of Gujarat in the Central Zone saw the highest increase of Rs 1,300 per candy. While Maharashtra saw a rise of up to Rs 1,000, Madhya Pradesh saw the lowest rise of Rs 500.

The market continued to grow in the South Zone as well. Andhra Pradesh and Telangana saw the maximum increase of up to Rs 1,000 per candy while Karnataka and Odisha saw an increase of Rs 500 and Rs 700 respectively.

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91119 77775

DATE: 12.08.2023

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	07.08.23		12.08.23		AVERAGE PRICE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	6,025	6,125	6,075	6,175	50
HARYANA	27.5/28	5,825	5,925	5,925	6,025	100
UPER RAJASTHAN	28	6,175	6,250	6,200	6,300	50
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	59,500	60,000	61,100	61,300	1,300
MADHYA PRADESH	29	59,500	60,000	60,000	60,500	500
MAHARASHTRA	29 vid.	58,500	59,500	60,000	60,500	1,000
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5	60,000	60,100	60,700	60,800	700
KARNATAKA	29.5/30 mm	59,500	60,000	60,000	60,500	500
ANDHRA PRADESH	29.5/30 mm	60,000	60,500	60,500	61,500	1,000
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	60,000	60,500	60,500	61,500	1,000

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.

Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy